

in einem Citat des Garga 2, 3.

जलयन्त्रक (von जलयन्त्र) n. *Spritze*: कृत्प्रमुखिर्जलयन्त्रकैश्च — सिषिचुः HARIV. 8432.

जलयन्त्रगृह (ज^० + गृह) n. ein Badehaus mit darin angebrachten Spritzen u. s. w., = समुद्रगृह TRIK. 3, 2, 2.

जलयन्त्रनिकेतन (ज^० + नि^०) n. dass. HÄR. 66.

जलयन्त्रमन्दिर (ज^० + म^०) n. dass. RT. 1, 2.

जलयान (जल + यान) n. Schiff BHAG. P. 3, 14, 17.

जलरङ्ग m. = जलरङ्ग H. 1332, v. l. HÄR. 183.

जलरङ्गु (जल + रङ्गु) m. eine Art Wasserhuhn (दात्यूह) H. 1332. HAL. im ÇKDr.

जलरञ्ज (जल + रञ्ज) m. dass. H. 1332.

जलरूप m. 1) Strudel. — 2) feine Wassertropfen, Staubregen (पयो-रेणु). — 3) Schlange H. an. 4, 72. ÇABDAR. im ÇKDr. — Vgl. जलरूपः.

जलरस (जल + रस) m. Seesalz HÄR. 75.

जलरान्तासी (जल + रा^०) f. die Wasser- Rákshasi, ein weibliches Ungeheuer, welches Hanumant den Weg über das Meer verlegte, MBH. 3, 16255; vgl. R. 5, 6, 2. fgg., wo dieser als Rákshasi auftretende Unhold Surasá, die Mutter der Nága, genannt wird.

जलराशि (जल + राशि) m. See, Meer VEDĀNTAS. (Allah.) No. 18. BHARTṢ. Suppl. 17. KATHÁS. 18, 2.

जलरूप m. = जलरूप MED. d. 39.

जलरूह (जल + रूह) m. Lotus, Nelumbium H. 1162.

जलरूह (जल + रूह) 1) m. Wasserthier: सार्ये (नन्त्रे स्थितः सौरः) जलरूहसर्पाः (पीडयन्ते) VARĀH. BRH. S. 10, 7. Nach dem Sch. = जलोद्भवः प्राणिनः. — 2) n. Lotus, Nelumbium H. 1162. MBH. 1, 5005. 5059.

जलरूप (जल + रूप) m. = मकर TRIK. 1, 2, 22.

जललता (जल + लता) f. Welle HÄR. 205. MED. k. 228.

जललोकित (जल + लो^०) m. ein Rákshasa (Wasser statt Blut habend) H. c. 36.

जलवत् (von जल) adj. wasserreich: जलवांस्तृणावान्मार्गः समो गम्यः प्रशस्यते MBH. 12, 3694.

जलवर्ण m. Wasserpocken HÄR. 142. vulg. जलवसन्त, पानीवसन्त ÇKDr. वसन्त heissen die Blattern im Bengalischen.

जलवल्वाल (जल + व^०) n. N. einer Pflanze, Pistia stratiotes Lin., HÄR. 112.

जलवल्ली (जल + व^०) f. Wassernuss, Trapa bispinosa Roxb. RĪGĀN. im ÇKDr.

जलवादिता (जल + वा^०) n. Wassermusik, eine Musik, bei der Wasser eine Rolle spielt: प्रचक्रुर्जलवादितानि नानास्वराणि (bei einem Feste im Meere) HARIV. 8426.

जलवाद्य (जल + वाद्य) n. ein musikalisches Instrument, bei dem Wasser eine Rolle spielt: ता जले स्थलवत्स्थित्वा जलवाद्यान्यवाद्यन् HARIV. 8346. 8436. आकाशगङ्गाजलवाद्यतज्ञाः 8427.

जलवायस (जल + वा^०) m. Seerabe H. 1323.

1. जलवास (जल + वास) m. der Aufenthalt im Wasser (als Askese) MBH. 12, 9281. — Vgl. उदवास.

2. जलवास (wie eben) 1) adj. im Wasser wohnend, — sich aufhaltend

MBH. 12, 9280. — 2) m. eine best. Wurzel (विष्णुकन्द) RĪGĀN. im ÇKDr.

— 3) n. die Wurzel von Andropogon muricatus Retz. (उशीर) ebend. जलवाह (जल + वाह) 1) adj. Wasser führend: मेघाः MBH. 2. 304. —

2) m. Wolke H. 164.

जलवाहक (जल + वा^०) m. Wasserträger (ein Amt) PAÑĀT. 156, 24.

जलवाहन (जल + वा^०) m. Wasserträger, N. pr. eines Arztes, = Çākjamuni in einer früheren Geburt, BURM. Intr. 533. fgg.

जलविडाल (जल + वि^०) m. Fischotter HÄR. 76.

जलविन्द (जल + वि^०) 1) m. Wassertropfen; °जा f. eine Art Zucker (यावनालीशर्करा) RĪGĀN. im ÇKDr. — 2) N. pr. eines Tirtha Verz. d. Oxf. H. 60, a.

जलविल्व (जल + वि^०) m. 1) Pistia stratiotes Lin. HÄR. 246. — 2) Schildkröte. — 3) Krebs H. an. 4, 303. MED. v. 59. HÄR. — 4) ein vier-eckiger Teich (जलचक्र) H. an. MED.

जलविषुव (जल + वि^०) n. 1) Herbst-Aequinoctium ÇABDAR. im ÇKDr. — 2) = चक्रविशेष SAMAJĀMṬA im ÇKDr.

जलवीर्य (जल + वीर्य) m. N. pr. eines Sohnes des Bharata ÇATR. 6. 289.

जलवृश्चिक (जल + वृ^०) m. Seekrabbe TRIK. 1, 2, 19. HÄR. 189.

जलवेतस (जल + वे^०) m. eine Art Rohr (s. वानीर) RĪGĀN. im ÇKDr.

जलव्यय (जल + व्यय) m. = जलव्यय HÄR. 190.

जलव्यध (जल + व्यध) m. ein best. Fisch (s. कङ्कत्रोट) TRIK. 1, 2, 17.

जलव्याल (जल + व्याल) m. Wasserschlange AK. 1, 2, 4, 6. H. 1305. =

शूरकर्मा जलजन्तुः RĪGĀN. im ÇKDr.

जलशय (जल + शय) m. der im Wasser Ruhende, Bein. Vishṇu's H. 214. — Vgl. जलेशय.

जलशयन (जल + श^०) m. dass. HALĀ. im ÇKDr.

जलशायिन् (जल + शा^०) m. dass. ÇKDr. nach einem Pur. °शायिर्तार्थ n. N. eines Tirtha ÇIVA-P. in Verz. d. Oxf. H. 66, b, 4.

जलश्रुक्ति (जल + श्रु^०) f. eine zweischalige Muschel AK. 1, 2, 23.

जलश्रूक (जल + श्रूक) n. Blyxa octandra Rich. (शैवाल) H. 1167. SUCH. 1, 57, 18.

जलश्रूकर (जल + श्रू^०) m. Krokodil TRIK. 1, 2, 23. H. 1349. HÄR. 76.

जलसंध (जल + संधा) m. N. pr. eines Fürsten, eines Sohnes des Dhṛtarāshira MBH. 1, 535. 2729. 4544. 6992. 3, 1419. 3, 2504.

जलसमुद्र (जल + स^०) m. das Meer mit süßem Wasser TRIK. 2. 1, 5.

जलसर्म (जल + सर्म्) n. (संज्ञायाम्) P. 5, 4, 94, Sch.

जलसर्पिणी (जल + सर्प^०) f. Bluteigel H. 1204.

जलसात् (von जल) adv. zu Wasser (z. B. werden): कृत्स्नं लवणं जल-सात्संपद्यते VOP. 7, 85.

जलसूचि (जल + सूचि) 1) m. Delphinus gangeticus H. an. 4, 51. MED. k. 20. — 2) m. Krähe (heron WILS., in Folge einer Verwechslung von काक mit कङ्क) H. an. — 3) ein best. Fisch (s. कङ्कत्रोट) H. an. MED.

— 4) Bluteigel H. an. HÄR. 263. f. MED. — 5) m. Wassernuss. Trapa bispinosa Roxb. H. an. MED.

जलस्थ (जल + स्थ) 1) adj. im Wasser stehend, befindlich R. 4, 13, 10.

BHAG. P. 3, 27, 12. — 2) f. आ eine best. Grasart (गाण्डहूर्वा) RĪGĀN. im ÇKDr.